चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर–2

➢ हरित परिसर **(Green Campus)**

- पौध रोपण – 75000
- ईको क्लब की स्थापना – 02
- ग्रीन पुस्तकालय अनुभाग का गठन।
- पर्यावरण संरक्षण शपथ कार्यक्रम का आयोजन।
- पर्यावरण नोडल अधिकारी नामित।
- परम्पराओं की पर्यावरण संरक्षण में भूमिका विषय पर युवा संसद का आयोजन।
- पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु बर्ड फोटोग्राफी एवं कला प्रतियोगिता का आयोजन।
- "पर्यावरण स्थिरता एवं संरक्षण में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन।
- विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर "पर्यावरण युवा मंच" का आयोजन।
- विश्वविद्यालय की स्नातक(कृषि) की छात्रा सुश्री सृष्टि भट्टाचार्य को "पर्यावरण युवा मंच" में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान।

➢ सौर ऊर्जा **(Solar Power)**

- विश्वविद्यालय के शाक–भाजी विभाग में सौर ऊर्जा द्वारा शत–प्रतिशत विद्युत आपूर्ति।
- मा0 कुलपति महोदय के निर्देश के अनुपालन में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत 06 कृषि विज्ञान केन्द्रों (कन्नौज, हरदोई, रायबरेली, कानपुर देहात, लखीमपुर खीरी तथा हाथरस) पर सौर ऊर्जा (Solar Power) 5 KVA क्षमता व सोलर स्ट्रीट लाइट, हाइ मास्ट, एल0ई0डी0 लाईट्स वर्ष 2020–21 में स्थापित किया गया है। इसके अन्तर्गत शेष 07 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी सौर ऊर्जा स्थापित किये जाने की कार्ययोजना है। सभी 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर एल0ई0डी0 लाईट्स व सोलर स्ट्रीट लाइट का प्रयोग किया जा रहा है।

➢ वर्षा जल संचयन **(Rain Water Harvesting)**

वर्षा जल संचयन (Rain Water Harvesting) के अन्तर्गत 07 इकाईयों का निर्माण।

- प्लास्टिक मुक्त परिसर **(Plastic Free Campus)**
  - विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक मुक्त परिसर हेतु सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध।
  - सामूहिक कार्यक्रमों में प्लास्टिक/डिस्पोजल सामग्रियों के स्थान पर मिट्टी द्वारा निर्मित कुल्हड़ के प्रयोग को प्रोत्साहन।
  - विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा ईको ब्रिक का निर्माण।
  - समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में पेपर आधारित सामग्रियों का उपयोग।
  - बेकार प्लास्टिक बोतल का वर्टिकल फार्मिंग में उपयोग हेतु मॉडल विकसित।
- ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन **(Solid Waste Management)**
  - ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु आजाद कम्पोस्टिंग टम्बलर का विकास तथा प्रोत्साहन।
- एल0ई0डी0 लाईट्स का प्रयोग
  - विश्वविद्यालय के समस्त परिसरों में एल0ई0डी0 लाईट्स का शत–प्रतिशत प्रयोग।

- जैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट प्रबन्धन
  - जैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट से समस्त 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वर्मीकम्पोस्ट तथा नाडेप कम्पोस्ट का उत्पादन।

- "स्वच्छ भारत" अभियान
  - विश्वविद्यालय स्तर पर समस्त विभागों में "स्वच्छ भारत" अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन।
  - कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत 27 गांवों में कुल 59 स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित।
- महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों, आंगनवाड़ी तथा प्राइमरी जूनियर माध्यमिक के बच्चों की विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता।
  - विश्वविद्यालय के 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों (मैनपुरी, रायबरेली, कन्नौज, फर्रूखाबाद, कासगंज, इटावा, दलीप नगर कानपुर देहात, फतेहपुर, फिरोजाबाद, हाथरस, अलीगढ़, रायबरेली, लखीमपुर खीरी) द्वारा मार्च 2021 से 20 अक्टूबर, 2021 अवधि में कुल 57 कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न विषयों पर (बाल पुष्टाहार व महिला पोषाहार, परिवार के सदस्यानुसार सन्तुलित थाली, सहजन का पोषकीय मान, खाद्य प्रसंस्करण, कुपोषण निवारण हेतु गृह वाटिका, गर्भवती महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य संबधी जानकारी, गर्भ संस्कार व

अन्नप्राशन, सुपर फूड मोटे अनाजों द्वारा पोषण प्रबंधन, भोजन पकाने में पोषक तत्वों की होने वाली हानि से बचाव एवं पोषण माह) प्रमुख दिवसों/कार्यक्रमों के अवसर पर (अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, विश्व खाद्य दिवस, पोषण माह) पर किया गया। जिसमें कुल 6380 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एक आंगनवाड़ी केन्द्र भी अंगीकृत किया गया है।

- महामहिम श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया की गौरवमयी उपस्थिति में आयोजित कृषक महिला सशक्तिकरण, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा एवं समृद्धि कार्यक्रम में जैव संवर्धित गांव अनूपपुर जनपद–कानपुर देहात के जूनियर व माध्यमिक कक्षा के कुल 25 छात्रों ने प्रतिभाग किया।
- गोद लिए गांवों में कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में माध्यमिक स्तर के कुल 910 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

- रक्तदान शिविर का आयोजन – 02
- ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को गर्भ संस्कार, पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी
    - विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को गर्भ संस्कार, पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रदान करने हेतु 37 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 1949 ग्रामीण महिलाओं को जानकारी प्रदान की गयी।
- आंगनवाड़ी केन्द्रों में पुस्तकों, खेल–कूद तथा प्रदत्त शैक्षणिक उपकरण
    - देश के प्रथम जैव संवर्धित गांव में महामहिम श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा अनूपपुर गांव के प्राथमिक स्कूल के 25 बच्चों को पुस्तकें, साहित्य उपलब्ध कराये गये। आंगनवाड़ी केन्द्र पर डा0 मिथिलेश वर्मा एवं सीडीपीओ श्रीमती सुमन लता के माध्यम से सभी बच्चों के शारीरिक विकास हेतु सामूहिक रूप से साइकिल (कुल रू0 12,000.00) प्रदान की गयी। अनूपपुर में बनाये गये 10 समूहों में प्रत्येक को सिलाई मशीन (हस्तचालित–05 तथा पैरचालित–05) जिस पर कुल रू0 60,000.00 का व्यय हुआ।
- क्षय रोग से ग्रसित गोद लिये गये बच्चों की संख्या – 06
- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांवों की संख्या – 28

(डी0आर0 सिंह)
कुलपति